बचत और निवेश: बढ़ती संभावनाएं

संजय मधुकर नाफड़े*

बचत और निवेश दो भिन्न विचार हैं, लेकिन व्यवहार में दोनों विचार एक दूसरे के पूरक भी हैं। सामान्यत: हम निवेश करने से पहले बचत करते हैं, जिसका अर्थ है बाद में उपयोग के लिए धन अलग रखना। जबकि निवेश, इस उम्मीद के साथ किया जाता है कि इससे आय में वृद्धि होगी या निवेश के मूल्य में वृद्धि होगी। बचत हमारे जीवन में कई प्रकार से महत्वपूर्ण हो सकती है, जैसे आपातकालीन स्थितियों, अल्पकालिक और दीर्घकालिक लक्ष्यों के लिए पैसे बचाना। भविष्य के उपयोग के लिए पैसे अलग रखना हमें जीवन के लक्ष्यों को पूरा करने में मदद कर सकता है। वित्तीय लक्ष्य प्रत्येक व्यक्ति के लिए अलग-अलग महत्व रखते हैं, यह विवाह के लिए पर्याप्त बचत करना या कर्ज कम करने या सिर्फ सेवानिवृति पश्चात् जीवन के लिए बचत करना हो सकता है। वित्तीय लक्ष्य निर्धारित करने का उद्देश्य बचत को सार्थक बनाना और बचत को अपने वित्तीय लक्ष्यों तक पहुँचने की दिशा में लगाना है। यह इस बात का अनुमान लगाने में मदद करता है कि आप अपनी बचत से क्या करना चाहते हैं, जो तभी प्रभावी हो सकता है जब यदि हमारे पास स्पष्ट रूप से परिभाषित लक्ष्य हो।

नियमित रूप से बचत करना और समय के साथ अनुशासित तरीके से इस राशि का निवेश करना अपने लक्ष्य तक पहुँचने में मदद कर सकता है। सही अर्थों में बचत, वित्तीय सुरक्षा प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अपने वित्त पर नियंत्रण रखने के लिए, अपने वर्तमान और भविष्य के वित्तीय जीवन को सुरक्षित करने के लिए एक सुव्यवस्थित बचत आदत विकसित करना आवश्यक है। बचत प्रत्येक के लिए उपयोगी है, क्योंकि इससे आप निवेश के सही मिश्रण तक पहुँचते हैं जो किसी को भी समय पर अपने सभी वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकता है। कभी-कभी, यह कल्पना करना कठिन होता है कि आप बचत के लिए पैसे कहाँ से ला सकते हैं। लेकिन, अपने खर्च और बचत योजना पर नज़र डालकर शुरुआत कर सकते है। आप अपने लक्ष्यों के आधार पर अपने खर्च को अलग तरह से प्राथमिकता देने, मौजूदा खर्चों में कटौती करने, अतिरिक्त आय का रास्ता खोजने, उपहार के पैसे, बोनस जैसे उपायों से बचत का फैसला कर सकते हैं।

बचत और निवेश दोनों ही एक स्वस्थ वित्तीय योजना के महत्वपूर्ण घटक हैं। बचत एक सुरक्षा जाल और अल्पकालिक लक्ष्यों को प्राप्त करने का एक तरीका प्रदान करती है, जबकि निवेश में उच्च दीर्घकालिक रिटर्न की क्षमता होती है और यह दीर्घकालिक वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकता है। हालाँकि, निवेश करने से पैसे खोने का जोखिम भी होता है। प्रत्येक दृष्टिकोण के अपने फायदे और नुकसान हैं और यह सही संतुलन खोजना महत्वपूर्ण है जो हमारी वित्तीय स्थिति और लक्ष्यों के लिए काम करता है। अंतत: एक अच्छी तरह से विकसित दृष्टिकोण जिसमें बचत और निवेश दोनों शामिल हो, धन में वृद्धि करने, वित्तीय संकटों से बचाने और अधिक सुरक्षित वित्तीय भविष्य के लिए एक ठोस आधार प्रदान करने में मदद कर सकता है। यह एक मिथक है कि बचत अर्थात् खर्च के बाद अपनी आय से बचा हुआ धन, लेकिन बदलते आर्थिक परिदृश्य तथा बेहतर बचत व निवेश के उपकरणों ने इस अवधारणा

*सेवानिवृत्त मुख्य प्रबंधक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया।

को बदल दिया है। अब दूरदर्शी बचतकर्ता पहले अपनी आय का एक बड़ा हिस्सा बचाते हैं, फिर बचे हुए पैसे को खर्च में इस्तेमाल करते हैं। इस सरल बदलाव के साथ, व्यक्ति अब नियमित रूप से बचत करने और अधिक बचत करने में सक्षम हैं। लेकिन, मात्र बचत करना अब लाभप्रद नहीं रह गया है, खासकर तब जब मुद्रास्फीति इस पर गहरा प्रभाव डालती है। ऐसे समय में जब बचत बैंक खाते और सावधि जमा से निश्चित रिटर्न लगातार कम हो रहा है, आपकी बचत को भविष्य के मूल्य को बनाए रखने के लिए मुद्रास्फीति मिलान लाभ अर्जित करने की आवश्यकता है। हालाँकि, आपके पास भविष्य के वित्तीय लक्ष्य भी हैं, जिसके लिए आपको अपनी ज़रूरत के मूल्य तक पहुँचने के लिए मूल्य में वृद्धि की आवश्यकता होती है।

बचत बनाम निवेश

वित्तीय सुरक्षा और उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित करने के लिए बचत और निवेश के बीच अंतर को समझना आवश्यक है। हालाँकि सामान्य बातचीत में बचत और निवेश को कभी-कभी एक-दूसरे के लिए उपयोग किया जाता है, लेकिन यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि यह दोनों बहुत अलग हैं। बचत और निवेश दोनों ही व्यक्तिगत वित्त के महत्वपूर्ण तत्व हैं, और इसे जल्दी प्रारम्भ करना दीर्घकालिक वित्तीय स्थिरता के लिए खुद को तैयार करने का एक बेहतर तरीका है। बचत और निवेश दोनों ही किसी व्यक्ति के व्यक्तिगत वित्त-योजना के लिए महत्वपूर्ण हैं।

- बचत करने का अर्थ है उसे सुरक्षित तरीके से संग्रहीत करना ताकि जब हमें इसकी आवश्यकता हो तो यह उपलब्ध हो तथा इसका मूल्य कम होने का जोखिम भी कम हो।
- निवेश में जोखिम तो है, लेकिन उच्च रिटर्न की संभावना भी है।
- निवेश आमतौर पर लंबी अवधि के लिए किया जाता है, जैसे कि बच्चों की उच्च शिक्षा, परिसंपत्ति खरीदने या किसी की सेवानिवृत्ति के बाद के लिए।

बचत क्या है?

यह देखा गया है कि महंगी वस्तुओं की खरीददारी और आपातकालीन स्थिति दोनों के लिए बचत की जाती हैं। बचत व्यक्तिगत वित्त का एक अनिवार्य हिस्सा है जिसमें भविष्य के उपयोग के लिए पैसे अलग रखना शामिल है। दशकों पहले यद्यपि बचत कम ही थी परन्तु प्राय: घर में ही रखी जाती थी, अभी बचत खाते या जमा प्रमाणपत्र का उपयोग किया जा सकता हैं जो समय के साथ ब्याज अर्जित करता है। बचत अल्पकालिक वित्तीय लक्ष्यों को पूरा करने जैसे कि कोई नया गैजेट खरीदना, भ्रमण पर जाना या अप्रत्याशित खर्चों के लिए आपातकालीन निधि रखने के लिए की जाती है। नियमित रूप से पैसे अलग रखकर, आप एक ऐसा कुशन बना सकते हैं जो आपको कठिन समय से निपटने में मदद कर सकता है। बचत आमतौर पर कम जोखिम रखती है, जिसका अर्थ है कि आपका पैसा सुरक्षित है, लेकिन प्राप्त ब्याज दरें भी कम हैं। आमतौर पर बचत को लगभग एक वर्ष या उससे कम की अवधि माना जाता है। कम अवधि के लिए रखते समय भी यह ध्यान में रखा जाना चाहिए कि कब धन की आवश्यकता होगी, धन के लिए योजना क्या है और लक्ष्य से जुड़ी सुरक्षा/जोखिम क्या है।

बचत के पक्ष और विपक्ष

बचत के कई लाभ हैं जैसे कि अप्रत्याशित घटनाओं के लिए वित्तीय सुरक्षा जाल प्रदान करना, खरीदारी और अन्य अल्पकालिक लक्ष्यों के लिए तरलता प्रदान करना और नुकसान से सुरक्षित रहना। इससे आपातकालीन निधि का निर्माण किया जा सकता है। इसमें नुकसान का न्यूनतम जोखिम होता है क्योंकि बैंकों में रखी गई बचत पाँच लाख रुपये तक बीमा गारंटी द्वारा संरक्षित है। हालाँकि, विचार करने पर बचत में कुछ कमियाँ भी हैं, जैसे कि जोखिम भरे निवेशों से संभावित उच्च रिटर्न से चूक जाना। लम्बी अवधि में बढ़ती मुद्रास्फीति के कारण बचत भी क्रय शक्ति खो सकती है। हालांकि बचत किसी भी वित्तीय योजना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, लेकिन वित्तीय नियोजन के लिए एक

संतुलित दृष्टिकोण प्राप्त करने के लिए इसे निवेश के अन्य रूपों, जैसे सेवानिवृत्ति खातों या शेयर बाजार में निवेश के साथ जोड़ना आवश्यक है। यह जोखिमपूर्ण तो है लेकिन उच्च लाभ देने वाली परिसंपत्तियों में निवेश न करने पर अवसर लागत की हानि संभव है।

बचत के अवसर

एक तरफ, सही जगह पर पैसा निवेश करना धन निर्माण की प्रक्रिया में आपकी सहायता कर सकता है। दूसरी ओर, नए निवेशकों को यह सलाह दी जाती हैं कि वे केवल उस हिस्से का निवेश करें जो उनके पास अपने आपातकालीन धन को अलग करने के बाद बच जाता है। (बचत और निवेश बहुत अलग हैं और इसको उस दृष्टि से देखा जाना तथा समझना आवश्यक है। इसका परिणाम यह हो सकता है कि आप निवेशक के रूप में अधिक सफलता प्राप्त करें। अनिवार्य रूप से, बचत और निवेश दोनों मौद्रिक मूल्य रखते हैं जो वित्तीय साधनों के रूप में प्रकट होता है।) नकद, जमा प्रमाण पत्र, आवर्ती जमा तथा अल्पावधि सावधि जमा आदि कुछ सामान्य उपकरण हैं जिनका उपयोग बचत के उद्देश्य के लिए किया जाता है।

बचत खाता

बचत खाता सबसे पसंदीदा वित्तीय साधनों में से एक है जो देश में प्रत्येक बैंक द्वारा सामान्य जनता के लिए उपलब्ध किया जाता है। खाता धारक पैसे जमा कर सकते हैं और जमा किए गए धन से ब्याज कमा सकते हैं। विश्वसनीयता, उच्च तरलता दर, आसान पहुंच और जमा और निकासी पर कोई सीमा नहीं होने के कारण यह सबसे पसंदीदा जमा विकल्पों में से एक है। भारतीय बैंकों द्वारा कई प्रकार के बैंक खाते उपलब्ध कराए जाते हैं, जिनमें से बचत खाता सबसे ज़रूरी बैंक खातों में से एक है, जहाँ व्यक्ति पैसे जमा कर सकते हैं और अच्छा ब्याज कमा सकते हैं। ये खाते आपके पैसे जमा करने के लिए एक सुरक्षित जगह प्रदान करते हैं।

बचत खाते पर सामान्य ग्राहकों को दी जाने वाली ब्याज दर 2.00% से 7.00% के बीच है, लेकिन वरिष्ठ नागरिक ग्राहकों को नियमित दरों से 0.50% अधिक अतिरिक्त ब्याज दर प्रदान की जाती है। 5 लाख रुपये तक की बैंक जमा राशि डिपॉजिट इंश्योरेंस एंड क्रेडिट गारंटी कॉरपोरेशन द्वारा बीमाकृत है, अत: यह अधिक सुरक्षित है। इसमें यह सुविधा है कि खाता धारक जितनी बार चाहे उतनी बार धन हस्तांतरित करने या निकालने के लिए उच्च तरलता सुनिश्चित करता है, साथ ही खाता धारक को उसी बैंक में बचत खाते को सावधि जमा के साथ जोड़ने की सुविधा भी है। बचत खाता धारकों को ऑनलाइन भुगतान या नकद निकासी के लिए एटीएम या डेबिट कार्ड प्रदान किए जाते हैं, साथ ही यह उपयोगकर्ताओं को यूपीआई, एनईएफटी (राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक निधि अंतरण), आरटीजीएस (वास्तविक समय सकल निपटान), आईएमपीएस (तत्काल भुगतान सेवा), नेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग या शाखा में जाकर निधि अंतरण करने की सुविधा भी देता है।

यह उपयोगकर्ताओं को नेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, एसएमएस बैंकिंग आदि के माध्यम से अपने बचत खाते को संचालित करने में सक्षम बनाता है। जमा की जाने वाली राशि पर कोई सीमा नहीं लगाई जाती, लेकिन खाता धारकों को मासिक औसत शेष आवश्यकताओं का पालन करना होता है। बचत खाता जमा और उससे जुड़े डेबिट कार्ड पर विभिन्न छूट और सुविधाएं प्रदान करता है। इस खाते में खाता धारक द्वारा ब्याज भुगतान विकल्प चुना जा सकता है - मासिक, त्रैमासिक, अर्ध-वार्षिक और वार्षिक। बचत खाते कई प्रकार के हो सकते है, विभिन्न बैंकों ने उनको अलग नाम भी दिए है साथ ही भिन्न प्रकार की सुविधाएं भी प्रदान की है, जैसे नियमित बचत खाता, जीरो बैलेंस या बेसिक सेविंग्स बैंक डिपॉजिट अकाउंट, वरिष्ठ नागरिक बचत खाता, महिला बचत खाता,बच्चों का बचत खाता, डिजिटल बचत खाता, वेतन खाता, पारिवारिक बचत खाता।

आवर्ती जमा (आरडी)

यह सबसे अधिक प्रचलित अल्पावधि निवेश विकल्प है और

यह सभी बैंकों में उपलब्ध है, इसलिए कई लोग अल्पावधि प्रयोजनों के लिए इसका उपयोग करते हैं। यह योजना कम राशि से भी बचत करने को प्रोत्साहित करती है यह आपको अपने निवेश पर परिपक्व होने तक एक निश्चित दर से ब्याज कमाने देता है। इसमें निवेश पर प्रतिफल 4% से 6% प्रति वर्ष तक प्राप्त हो सकता है, इसकी समय सीमा प्राय: 6 महीने से 10 वर्ष तक हो सकती है। वर्तमान में पारस्परिक फंड्स की बढ़ती लोकप्रियता के कारण आवर्ती जमा को एसआईपी के माध्यम से अधिक चुनौती मिल रही है।

निश्चित आय खाते (सावधि जमा)

सावधि जमा (एफडी) बैंकों के लिए अल्पकालिक निवेश के लिए धन जुटाने की एक अन्य सामान्य तकनीक है, यह धनराशि एक निश्चित अवधि के लिए, आमतौर पर 1 से 10 वर्ष के लिए, पूर्व निर्धारित रिटर्न दर पर निवेश की जाती है, जिसके बाद यह परिपक्व हो जाती है और इसे निकाला जा सकता है। बचत के लिए एक वर्ष की सावधि जमा पर्याप्त कही जा सकती है। यद्यपि बचत खातों और आवर्ती जमा की तुलना में ब्याज दरें अधिक होती हैं, लेकिन समय से पहले निकासी संभव नहीं है या पेनाल्टी देकर भुगतान लिया जा सकता है। इसमें वार्षिक रिटर्न दर: 2.5% से 7.5% तक हो सकती है। यह बचत का सबसे पसंदीदा उपकरण है, इस समय भारतीय बैंकों की कुल सावधि जमाओ में एक बड़ी हिस्सेदारी वरिष्ठ नागरिकों की है, जिसे वे अधिक सुरक्षित मानते है। एक वर्ष से अधिक अवधि की सावधि जमाएं भी बैंकों में उपलब्ध है लेकिन वह फिर दीर्घावधिक निवेश माना जाता है।

निगमों द्वारा की गई जमा राशि (सीडी)

कॉर्पोरेट सावधि जमाएं बैंक सावधि जमाओ के समान ही होती हैं, अंतर यह है कि इन्हें निगमों द्वारा विस्तार और परिचालन के लिए एकत्र किया जाता है। चूंकि इसमें चूक का खतरा अधिक होता है, इसलिए ब्याज दरें बैंक एफडी की तुलना में थोड़ी अधिक होती हैं। जो लोग अधिक जोखिम सहन कर सकते हैं, वे कॉर्पोरेट एफडी में निवेश कर सकते

निवेश क्या है?

निवेश में बचत खातों की तुलना में अधिक रिटर्न की संभावना होती है, चक्रवृद्धि ब्याज और पुनर्निवेश के माध्यम से समय के साथ आपकी संपत्ति में वृद्धि करने की क्षमता होती है तथा यह आपको सेवानिवृत्ति के लिए बचत करने या घर खरीदने जैसे दीर्घकालिक वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करने का अवसर प्रदान करता है। निवेश में हमेशा कुछ हद तक जोखिम शामिल होता है और इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि आपको लाभ ही मिलेगा या आपने जो निवेश किया है, वह पूर्ण वापस मिलेगा। इसके लिए कई स्वामित्व में विविधता लाने से जोखिम कम करने में मदद मिल सकती है। इस पर शोध करना और विभिन्न प्रकार के निवेशों से जुड़े संभावित जोखिमों को समझना महत्वपूर्ण है। निवेश के लिए अनुशासन और दीर्घकालिक दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है, इस कारण कुछ लोगों के लिए बाजार की अस्थिरता या जल्दी लाभ कमाने के प्रयास में भीड़ का अनुसरण करने के प्रलोभन के सामने बनाए रखना मुश्किल हो सकता है। इससे पहले कि आप कोई भी पैसा निवेश में लगाएं, सुनिश्चित करें कि आपके पास आपातकालीन निधि में कई महीनों के खर्चों को पूरा करने के लिए पर्याप्त बचत हो तथा आपके बचत खाते में बिल, किराया और किराने का सामान जैसी आपकी सभी अल्पकालिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त धन हो।

निवेश के अवसर

निवेश में बचत की तुलना में अधिक रिटर्न की संभावना होती है, साथ ही इससे दीर्घकालिक वित्तीय लक्ष्य प्राप्त करने में मदद मिल सकती है। अपने पोर्टफोलियो के विविधीकरण से जोखिम कम हो सकता है। निवेश के लिए बाजार में स्टॉक्स, बॉन्ड, इक्विटी, यूलिप और म्यूचुअल फंड जैसे विभिन्न निवेश साधन उपलब्ध हैं। निवेश जोखिमों से मुक्त नहीं है, यदि उचित योजनाओं, स्टॉक्स और निधियों में निवेश नहीं किया तो हानि का जोखिम हो सकता है, अल्पावधि ही नहीं बल्कि दीर्घ अवधि का निवेश भी जोखिम युक्त हो

सकता है, निवेश में लम्बे समय और धैर्य की आवश्यकता होती है। बचत में बहुत कम जोखिम होता है। दूसरी और, निवेश में पैसा खोने का जोखिम होता है। इसलिए, सामान्य तौर पर निवेश करना, बचत से ज़्यादा जोखिम भरा होता है। यह जोखिम अपने पोर्टफोलियो के विविधीकरण से कुछ हद तक कम किया जा सकता है।

डेट म्यूचुअल फंड

डेट म्यूचुअल फंड अल्पावधि के लिए मुख्य रूप से ऋण साधनों जैसे सरकारी बांड, वाणिज्यिक पत्र, ट्रेजरी बिल, कॉर्पोरेट बांड और अन्य मुद्रा बाजार साधनों में निवेश करते हैं। उच्च अल्पावधि म्यूचुअल फंड की तलाश करने वाले जोखिम से बचने वाले निवेशकों के लिए, यह सबसे बड़ी अल्पावधि निवेश संभावनाओं में से एक है। इसमें निवेश पर प्रतिफल 8% से 11% प्रति वर्ष प्राप्त हो सकता है लेकिन इसके लिए 6 महीने से 3 वर्ष तक इंतज़ार भी करना पड़ सकता है। यदि आप तीन वर्षों के भीतर यूनिट्स को भुनाते हैं तो अल्पकालिक म्यूचुअल फंड पर कर लगाया जाता है, लेकिन यदि आप यूनिट्स को तीन वर्षों से अधिक समय तक रखते हैं तो दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ पर कर लगाया जाता है।

इक्विटी म्यूचुअल फंड में व्यवस्थित निवेश

आप अपनी जोखिम क्षमता और निवेश समय सीमा को पूरा करने के लिए विभिन्न परिसंपत्ति वर्गों में व्यापक निवेश विकल्प के लिए म्यूचुअल फंड में निवेश कर सकते हैं। ऐसे फंड उपलब्ध हैं जो अल्पकालिक, मध्यम और दीर्घकालिक वित्तीय लक्ष्यों और अलग-अलग जोखिम ग्रेड के लिए उपयुक्त हैं। इसके अलावा, आप म्यूचुअल फंड में निवेश करने के लिए इसकी सुविधा और संरचना के लिए एक व्यवस्थित निवेश योजना या एसआईपी का उपयोग कर सकते हैं। चूंकि अधिकांश लोगों को मासिक आय प्राप्त होती है, इसलिए वे म्यूचुअल फंड में निवेश करने के लिए एसआईपी मार्ग चुनकर अपने वित्तीय लक्ष्यों की ओर मासिक निवेश चक्र का उपयोग कर सकते हैं। यह आपके बचत अनुशासन को एक पायदान ऊपर ले जाता है - आप न केवल नियमित रूप से बचत करते हैं, बल्कि नियमित रूप से निवेश भी करते हैं। व्यवस्थित निवेश योजनाएं (एसआईपी) लंबी अवधि के लिए सर्वोत्तम हैं, हालांकि अच्छे रिटर्न पाने के लिए इनका प्रयोग छोटी अवधि के लिए भी किया जा सकता है। यदि आपके पास एक वर्ष का निवेश क्षितिज है और आप एक अच्छा अल्पावधि निवेश चाहते हैं, तो लार्ज-कैप म्यूचुअल फंड में एसआईपी की सिफारिश की जाती है क्योंकि वे बड़ी कंपनियों में निवेश करते हैं जो बाजार में तेजी से बढ़ सकते हैं। निवेश पर प्रतिफल 8% से 15% प्रति वर्ष प्राप्त हो सकता है, उच्च प्रतिफल के लिए 6 महीने से 5 वर्ष का समय देना होगा। डेट म्यूचुअल फंड की तरह, इक्विटी म्यूचुअल फंड के रिटर्न की गणना अल्पकालिक और दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ का उपयोग करके की जाती है।

पारस्परिक निधियां भारतीयों के लिए निवेश करने और उनके संपत्ति को बढ़ाने का एक अधिक लोकप्रिय तरीका बन गई हैं। ये निवेश वाहन एक पोर्टफोलियो बनाने के लिए एक सुविधाजनक और विविध दृष्टिकोण प्रदान करते हैं। भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग की एयूएम मई 2024 में, ₹58.60 ट्रिलियन तक पहुंच चुकी है। यह आंकड़ा देश की अपार वृद्धि और म्यूचुअल फंड की लोकप्रियता को दर्शाता है। मई 2024 तक, इंडियन म्यूचुअल फंड उद्योग की एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) की राशि ₹58,91,160 करोड़ की स्थिति में थी। पिछले दशक में, उद्योग के एयूएम में एक उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो मई 2014, को ₹10.11 ट्रिलियन से लगभग छह गुना बढ़कर मई, 2024 को ₹58.91 ट्रिलियन हो गई है। पिछले पांच वर्षों में विकास विशेष रूप से महत्वपूर्ण रहा है। मई 2019 से मई 2024 तक, उद्योग का एयूएम दोगुने से अधिक, ₹25.94 ट्रिलियन से बढ़कर ₹58.91 ट्रिलियन हो जाता है। यह तेज़ विस्तार म्यूचुअल फंड में भारतीय निवेशकों द्वारा किए गए स्वीकृति और विश्वास को दर्शाता है। आंकड़ों के अनुसार उद्योग की कुल एयूएम में एसआईपी की हिस्सेदारी लगभग बीस

प्रतिशत हो गयी है, इसके खातों की संख्या भी 9.34 करोड़ हो चुकी है और निवेशित धन राशि भी ₹23,300 करोड़ हो चुकी है।

पारस्परिक निधि उद्योग ने कई महत्वपूर्ण पड़ाव हासिल किए है। मई 2014 में, उद्योग का एयूएम पहली बार ₹10 लाख करोड़ से बढ़ गया और लगभग तीन वर्षों के भीतर, इसने अगस्त 2017 में ₹20 लाख करोड़ का आंकड़ा पार कर दिया। यह गति आगे भी जारी रही और नवंबर 2020 तक, एयूएम ₹30 लाख करोड़ से अधिक का हो गया था। 31 मई, 2024 तक, म्यूचुअल फंड उद्योग का एयूएम प्रभावशाली ₹58.91 लाख करोड़ पर खड़ा था। म्यूचुअल फंड उद्योग ने मई 2021 में 10 करोड़ फोलियो तक पहुंचकर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि भी चिह्नित की, जो व्यक्तिगत निवेशकों की बढ़ती भागीदारी को दर्शाता है। मई 31, 2024 तक, कुल खातों की संख्या 18.60 करोड़ (186 मिलियन) तक पहुंच गई है। विशेष रूप से, इक्विटी, हाइब्रिड और सॉल्यूशन ओरिएंटेड स्कीम के तहत खातों की संख्या, जो मुख्य रूप से खुदरा निवेशकों द्वारा चलाई जाती हैं, लगभग 14.90 करोड़ (149 मिलियन) थी। यह मजबूत खुदरा निवेशकों की उपस्थिति म्यूचुअल फंड के प्रति बढ़ती जागरूकता और उसको एक व्यवहार्य निवेश विकल्प के रूप में प्रतिपादित करती है (एम्फी के अनुसार)।

स्टॉक एक्सचेंज

शेयर बाजार उच्च जोखिम लेने वालों के लिए आदर्श अल्पकालिक निवेश है जो अपनी कमाई को अधिकतम करना चाहते हैं। यदि आप सही स्टॉक पहचान सकें तो आप उनमें कुछ महीनों के लिए निवेश करके अपना पैसा दोगुना कर सकते हैं। यदि आप गलत स्टॉक पर दांव लगाते हैं, तो आपको अपना पूरा निवेश खोने का खतरा रहता है। यह जानने के लिए कि भारत में अल्पावधि में खरीदने के लिए सबसे अच्छे स्टॉक कौन से हैं, आपको इस बाजार पर तीक्ष्ण दृष्टि और शोध की आवश्यकता होती है इस बाजार में लाभ की कोई सीमा नहीं है, सब कुछ आपके चुनाव तथा जोखिम लेने की क्षमता पर निर्भर करता है। उदाहरण के लिए, मान लीजिए कि आप किसी बड़ी कंपनी में निवेश करना चाहते हैं। इसके शेयर खरीदकर, आप कंपनी के एक छोटे से हिस्से के मालिक बन सकते हैं और इसके विकास और मुनाफे से लाभ उठा सकते हैं। अगर वह कंपनी अच्छा प्रदर्शन करती है, तो समय के साथ इसके शेयर का मूल्य बढ़ सकता है, जिससे आप इसे लाभ के लिए बेच सकते हैं। याद रखने वाली एक महत्वपूर्ण बात यह है कि निवेश करने से कोई गारंटी नहीं मिलती है और हमेशा पैसे खोने का जोखिम रहता है। उदाहरण के लिए, अगर वह कंपनी दिवालिया हो जाए, तो आपका निवेश लगभग बेकार हो सकता है। इसलिए अपने जोखिम को कम करने के लिए अलग-अलग कंपनियों और उद्योगों में निवेश करके अपने पोर्टफोलियो में विविधता लाना ज़रूरी है।

शेयर बाजार की समीक्षा

30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स वित्त वर्ष 2024 के आखिरी दिन (गुरुवार, 28 मार्च) को करीब 655.04 अंक यानी 1% की बढ़त के साथ 73,651.35 के स्तर पर बंद हुआ। वित्त वर्ष 2024 के दौरान, एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स इंडेक्स ने कई रिकॉर्ड ऊंचाई को छूआ है और बीएसई-सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण नवंबर 2023 में पहली बार ₹333 लाख करोड़ यानी 4 ट्रिलियन डॉलर को पार कर गया है। वित्त वर्ष 2024 में पांच साल की अवधि के दौरान बीएसई सेंसेक्स में 24.85% की दूसरी सबसे बड़ी वृद्धि हुई है; वित्त वर्ष 2021 में 68.01% की सबसे बड़ी वृद्धि दर्ज की गई थी। वित्त वर्ष 2023 में एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स में मात्र 0.72% की वृद्धि देखी गई।

बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि वित्त वर्ष 24 भारतीय शेयर बाजारों के लिए एक उत्कृष्ट वर्ष रहा, जिसमें बीएसई सेंसेक्स में लगभग 24% की अविश्वसनीय वृद्धि देखी गई, जो पिछले वर्षों के प्रदर्शन से बेहतर रहा और निवेशकों को पर्याप्त धन अर्जित हुआ। यह वृद्धि कई वैश्विक समकक्ष की तुलना में अधिक है, जो बाजार के लचीलेपन और ताकत

को दर्शाता है। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि मजबूत आर्थिक वृद्धि और ठोस कॉर्पोरेट नतीजों सहित कई संभावित उद्येलकों ने तेजी के रुझान में महत्वपूर्ण योगदान दिया और निवेशकों का उत्साह बढ़ाया है। इसके अलावा, घरेलू और विदेशी संस्थागत निवेशकों दोनों की ओर से मजबूत निवेश ने पूरे साल बाजार की धारणा को और मजबूत किया। एक अन्य कारक, जिसने इसमें योगदान दिया वह था आईपीओ बाजार, जो वित्त वर्ष 24 के दौरान फला-फूला, जिसमें लगभग 75 नए इश्यू लॉन्च होने के साथ गतिविधि में उछाल देखा गया। भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी, नेटवेब और सिग्नेचर ग्लोबल जैसी कंपनियों ने लिस्टिंग के बाद 150% से अधिक का रिटर्न दिया, जिससे बाजार में तेजी का माहौल बना। औसत लिस्टिंग लाभ में 29% की उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, जो इन नई पेशकशों के लिए निवेशकों के उत्साह को रेखांकित करता है।

वित्त वर्ष 2024 में सेंसेक्स शेयरों का प्रदर्शन

उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, 30 शेयरों में से 28, वित्तीय वर्ष 2024 के अंतिम दिन लाभ के साथ बंद हुए। टाटा मोटर्स लिमिटेड ने 30-शेयर बीएसई सेंसेक्स पैक का नेतृत्व किया, जो वित्त वर्ष 24 में 147.2% के लाभ के साथ एक मल्टीबैगर स्टॉक में बदल गया। लाभ पाने वालों की सूची में शामिल अन्य शेयरों में एनटीपीसी लिमिटेड (95.2% ऊपर), लार्सन एंड टुब्रो लिमिटेड (76.4% ऊपर), महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड (70.3% ऊपर), पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (66.2% ऊपर), सन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रीज लिमिटेड (64.7% ऊपर), भारती एयरटेल लिमिटेड (64.2% ऊपर), मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (53.5% ऊपर), और टाइटन कंपनी लिमिटेड (52.1% ऊपर) शामिल हैं। वित्त वर्ष 24 में दो पिछड़े शेयर हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (8.8% नीचे) और एचडीएफसी बैंक लिमिटेड (8.4% नीचे) थे। बाजार विशेषज्ञों का अनुमान है कि भारतीय वित्तीय बाजारों में आशावादी रुझान वित्त वर्ष 2025 में भी जारी रहेगा, जिसमें अस्थिरता मुख्य रूप से दुनिया भर में होने वाली घटनाओं के कारण होगी। ऐसा माना जाता है कि खुदरा निवेशकों, एचएनआई और डीआईआई सहित घरेलू निवेशकों की मजबूत भागीदारी से बाजारों को समर्थन मिलेगा। अब तक (28 मार्च) एफआईआई शुद्ध विक्रेता हैं, जिनका बहिर्गमन -16,200 करोड़ रुपये रहा है, जबकि डीआईआई शुद्ध खरीदार हैं, जिनका अंतर प्रवाह +2,20186 करोड़ रुपये से अधिक रहा है।

(सभी आंकड़े बीएसई, भारतीय रिजर्व बैंक, एनएसई की वेबसाइट के साथ दि.21-4-24 के इकोनॉमिक टाइम्स, दि.3-4-24 के मिंट तथा दि.3-4-24 के बिजनेस स्टैंडर्ड से साभार)

कब बचत करें और कब निवेश करें

बचत तथा निवेश के बारे में एक सामान्य प्रश्न उठता है, कि बचत करना चाहिए या निवेश करना चाहिए। इस सवाल का जवाब, विशेष वित्तीय स्थिति, लक्ष्यों और जोखिम सहनशीलता पर निर्भर करेगा। जब हम युवा होते हैं, तो हमारी आय और व्यय सीमित हो सकते हैं, लेकिन बचत और निवेश के बारे में सोचना शुरू करने के लिए कभी भी बहुत जल्दी नहीं होती और युवावस्था इसके लिए उचित समय है। वास्तव में, जल्दी शुरू करने से समय के साथ धन संचय करने में महत्वपूर्ण लाभ मिल सकता है। निवेश करने से भविष्य के लिए बचत जैसे दीर्घकालिक लक्ष्यों को पूरा करने में मदद मिल सकती है। युवा व्यक्ति के पास अधिक समय होता है, जिसका अर्थ है कि अधिक जोखिम उठाया जा सकता हैं और जोखिम भरी संपत्तियों में निवेश किया जा सकता हैं। भले ही अल्पावधि में नुकसान हो, लेकिन किसी व्यक्ति के पास लंबी अवधि के निवेश के सकारात्मक प्रभावों से उबरने और लाभ उठाने के लिए अधिक लचीलापन होता है। दूसरे शब्दों में, जल्दी और नियमित रूप से निवेश करके, चक्रवृद्धि की शक्ति का लाभ उठाया जा सकता हैं, जिसका अर्थ है कि निवेशित धन समय के साथ तेजी से बढ़ सकता है।

आयु बढ़ने के साथ ही समय कम बचता है और विशेषज्ञ, स्टॉक जैसी जोखिम भरी संपत्तियों से हटकर बॉन्ड और

नकदी जैसी अधिक रूढ़िवादी संपत्तियों में निवेश करने की सलाह देते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि अगर आप रिटायर होने वाले हैं और बाजार में गिरावट आती है तो अल्पकालिक अस्थिरता एक संभावित जोखिम है। युवा व्यक्तियों के लिए भी, बचत करना आमतौर पर एक अच्छा विचार है। बचत का मतलब है अपने पैसे को एक सुरक्षित और कम जोखिम वाले खाते में रखना, जैसे कि बचत खाता, मनी मार्केट अकाउंट या जमा प्रमाणपत्र (सीडी)। इस तरह के बचत उत्पाद आमतौर पर कम रिटर्न देते हैं लेकिन वे कम जोखिम के साथ भी आते हैं। यदि आपको निकट भविष्य में अपने पैसे तक पहुँचने की आवश्यकता है और आप इसे खोने का जोखिम नहीं उठा सकते हैं तो वे एक अच्छा विकल्प हैं।

उद्देश्य: बचत और निवेश के बीच यह सबसे तेज अंतर है, निवेश के संदर्भ में, निवेश के लिए पूंजी उत्पन्न करने और तैयार करने के लिए बचत की जाती है। यही कारण है कि आपकी सभी बचत का निवेश न करने की सिफारिश की गई है। बचत आमतौर पर अल्पावधि होती है और कोई भी ज्यादा शोध किए बिना बचा सकता है। निवेश, दूसरी ओर धन निर्माण, घर खरीदने, शिक्षा के वित्तपोषण आदि जैसे बड़े लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए किया जाता है। निवेश में दीर्घकालिक प्रतिबद्धताओं और बाजार अनुसंधान की आवश्यकता हो सकती है। बचत केवल दुर्लभ परिस्थितियों में ही नीचे जाएगी, जबकि निवेश संभावित रूप से दोनों तरीकों से जा सकता हैं, अगर उचित परिश्रम के साथ बाजार अनुसंधान नहीं किया गया।

तरलता: बचत उपकरण आमतौर पर उच्च तरलता से जुड़े होते हैं, इसलिए बचत आपको जब जरूरत पड़े नकदी के लिए तैयार पहुँच के साथ प्रदान करती हैं। दूसरी ओर निवेश विभिन्न उपकरणों में तरलता का स्वरूप चलायमान हो सकता है। उदाहरण के लिए म्यूचुअल फंड या फिर शेयर बाज़ार में तरलता नहीं मिलती है, इसमें आवश्यकता पड़ने पर धन निकालना नुकसान दे सकता है। यही कारण है कि आपातकालीन धन का निवेश कभी नहीं किया जाना चाहिए।

जोखिम: बचत आमतौर पर बहुत कम या नगण्य जोखिम से जुड़ी होती है, जबकि निवेश उच्च जोखिम वाले उपकरणों और कम जोखिम वाले उपकरणों दोनों में किया जा सकता है। एफडी और बैंक खाते की शेष राशि जैसे उपकरण कभी भी गिरावट नहीं दिखाएंगे – आप हमेशा उन पर स्थिर ब्याज अर्जित करेंगे। हालांकि, निवेश कंपनी के प्रदर्शन, उस समय बाजार की स्थिति, अन्य उद्योगों का प्रदर्शन और अन्य आर्थिक और वित्तीय कारकों के अनुसार नीचे की ओर गति दिखा सकता है। यही कारण है कि निवेश आमतौर पर कुछ जोखिम के साथ सह-संबद्ध होते हैं, जबकि बचत "शून्य जोखिम" से जुड़ी होती है।

लाभ: यह निवेश तथा बचत के बीच अंतर का एक और महत्वपूर्ण बिंदु है आप आमतौर पर अपनी बचत पर ब्याज की केवल एक निश्चित और स्थिर राशि कमा सकते हैं। उदाहरण के लिए सावधि जमा पर विचार करें, जहां आप एक वर्ष से अधिक अपनी मूल राशि पर 4 -8% स्थिर ब्याज कमा सकते हैं। हालांकि, ये लाभ अक्सर मुद्रास्फीति जैसे कारकों के कारण बचत की दिशा में निर्देशित राशि के मूल्य को संरक्षित करने के लिए काम करते हैं। यही कारण है कि अन्य खर्चों को बढ़ावा देने के लिए बचत का उपयोग नहीं किया जा सकता। दूसरी ओर, यदि वे ऊपर की ओर गति दिखाते हैं तो निवेश में बहुत अधिक लाभ प्राप्त करने की क्षमता होती है। जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, निवेश उच्च जोखिम से जुड़ा हो सकता हैं। इन अंतरों को जानना एक निवेशक के लिए बहुत आवश्यक है, तभी इनकी लाभ हानि का अधिक सटीक रूप से विश्लेषण किया जा सकता है। तरलता की दृष्टि से बचत सुरक्षा नेट का गठन करती है जिसे आप आपातकाल के समय में वापस ले सकते हैं, निवेश में यह सुविधा उपलब्ध नहीं होती है। आपातकाल में यद्यपि निवेश को वापस लिया जा सकता है परन्तु उसमें अवसर लाभ खोने का खतरा रहता है।

कुछ लोग निवेश करने की बजाय बचत करना क्यों पसंद करते हैं?

कुछ लोग कई कारणों से निवेश करने के बजाय बचत करना पसंद कर सकते हैं। कुछ लोग अप्रत्याशित खर्चों या आपातकालीन स्थितियों के लिए बचत खाते में ज़्यादा पैसे रखने की सुरक्षा की भावना को पसंद करते हैं। कुछ लोगों के पास छुट्टी मनाने या घर के लिए डाउन पेमेंट जैसे कई अल्पकालिक वित्तीय लक्ष्य हो सकते हैं तथा उनका रुझान कम जोखिम वाले बचत खाते में धन रखने का होता हैं। इसके अलावा, कुछ लोगों के पास निवेश करने का ज्ञान या विशेषज्ञता नहीं हो सकती है या वे कम जोखिम सहन करने की क्षमता के कारण निवेश से जुड़े जोखिम के स्तर को लेकर सहज महसूस नहीं कर सकते हैं। अंत में, कुछ लोगों के पास अपने ज़रूरी खर्चों को पूरा करने के बाद निवेश करने के लिए पर्याप्त पैसा नहीं हो सकता है। अभ्यास में, सिद्धांत में बचत बनाम निवेश सिद्धांत रूप में उतना ही भिन्न होता है। उदाहरण के लिए, आपके खाते में बचत का पर्याप्त हिस्सा होना संभव है लेकिन फिर भी आपके दीर्घकालिक लक्ष्यों को पूरा करने में सक्षम नहीं है। जबकि बचत वित्तीय सुरक्षा प्रदान करेगी, लेकिन हो सकता है कि आप अपनी बचत के साथ अपने बच्चे की कॉलेज शिक्षा जैसी बड़ी और लंबी अवधि की आवश्यकताओं को पूरा न कर सकें। यही कारण है कि बचत और निवेश एक दूसरे के विकल्प नहीं है।

कितना पैसा बचाया जाना चाहिए और कितना निवेश किया जाना चाहिए?

निवेश की जाने वाली राशि और बचत की जाने वाली राशि व्यक्ति के व्यक्तिगत वित्तीय लक्ष्यों, जोखिम सहनशीलता और व्यक्तिगत परिस्थितियों पर निर्भर करती है। एक अच्छा नियम यह है कि आपातकालीन निधि में तीन से छह महीने के जीवन-यापन के खर्चों को पूरा करने के लिए पर्याप्त बचत करें; एक बचत खाता, जिसमें बिल जैसे अल्पकालिक दायित्वों को पूरा करने के लिए पर्याप्त राशि हो और फिर बाकी का निवेश करें। इस प्रकार निवेश की जाने वाली राशि और बचत की जाने वाली राशि उम्र, आय, मौजूदा ऋण और दीर्घकालिक वित्तीय लक्ष्यों जैसे कारकों के आधार पर अलग-अलग होगी। ऐसे कई कारण हैं जिनकी वजह से लोगों को निवेश करने में दिक्कत हो सकती है। एक आम कारण ज्ञान या अनुभव की कमी है, जो खराब निवेश निर्णयों को जन्म दे सकता है। इसके अतिरिक्त, भावनात्मक पूर्वाग्रह, जैसे कि डर या लालच, निवेशकों को खराब या तर्कहीन निर्णय लेने के लिए प्रेरित कर सकते हैं, जिसके परिणामस्वरूप नुकसान हो सकता है। सफल निवेश के लिए दीर्घकालिक दृष्टिकोण, अनुशासन और धैर्य की आवश्यकता होती है और बाजार में उतार-चढ़ाव के दौरान इस मार्ग पर बने रहना मुश्किल हो सकता है। वित्तीय विशेषज्ञ निवेश पोर्टफोलियो का बहुत अधिक हिस्सा नकदी में रखने की सलाह नहीं देते, क्योंकि इससे "नकदी खिंचाव" पैदा हो सकता है और आपके पोर्टफोलियो के संभावित रिटर्न में कमी आ सकती है।

एक योजना बनाने की आवश्यकता

अपनी ज़रूरतों और लक्ष्यों को पूरा करने के लिए पैसे बचाने के कई अलग-अलग तरीके हैं। कुछ उदाहरणों में स्वचालित बचत, सिक्कों की बचत, कूपन या रिफंड पर बैंकिंग बचत शामिल हैं। बस इस बारे में सोचें कि आपके लिए सबसे अच्छा क्या काम करता है। एक सुझाव यह है कि जब आपको पैसे मिलते हैं, तो समय के साथ पैसे बचाने की योजना बनाने के तरीके के रूप में, ''पहले खुद को भुगतान करें''। जब आप पहले खुद को भुगतान करते हैं, तो आप अन्य मदों पर खर्च करने से पहले बचत में एक राशि पहले रखते हैं। एक बार जब आप आपातकालीन जरूरतों को पूरा करने के लिए पैसे बचा लेते हैं, तो अपने पैसे को बढ़ाने के लिए अन्य बचत का निवेश करने पर विचार करें। अपने अल्पकालिक और दीर्घकालिक लक्ष्यों के बारे में सोचें। अपने दीर्घकालिक बचत लक्ष्यों के बारे में सोचने के लिए समय निकालना विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि बचाया गया पैसा समय के साथ बढ़ सकता है। यदि

आप इसे कई वर्षों तक बचत में रखते हैं तो आपकी बचत समय के साथ बढ़ सकती है।

दीर्घकालिक बचत के लाभ हैं। अपने फंड को और बढ़ाने के लिए दीर्घकालिक बचत का निवेश किया जा सकता है। अपने लक्ष्यों और जोखिम स्तरों के लिए उपयुक्त निवेश विकल्पों पर विचार करें। निवेश करके, आप यह तय कर रहे हैं कि अपना पैसा कहाँ लगाना है, यह कहाँ बढ़ेगा और आपको अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करने के लिए अतिरिक्त धन प्रदान करेगा। अपने भविष्य की योजना बनाते समय बचत और निवेश दोनों पर विचार करना महत्वपूर्ण है। पैसे बचाने से आपका पैसा सुरक्षित रहता है और ज़रूरत पड़ने पर आसानी से मिल जाता है। समय के साथ जल्दी निवेश करने से आपके पैसे का मूल्य बढ़ता है और चक्रवृद्धि ब्याज से लाभ मिलता है। याद रखें कि जल्दी निवेश करने से, चक्रवृद्धि ब्याज के साथ, देर से निवेश शुरू करने की तुलना में अधिक निवेश राशि मिल सकती है। निवेश में कुछ जोखिम उठाना शामिल है, इसलिए ऐसे निवेश चुनना ज़रूरी है जो आपके लक्ष्यों, जोखिम सहनशीलता और समय सीमा के साथ संरेखित हों। सामान्य तौर पर, जितना लंबा समय आप निवेश कर सकते हैं, उतना ही अधिक जोखिम आप उठा सकते हैं, क्योंकि आपके पास शेयर बाज़ार के उतार-चढ़ाव से निपटने के लिए अधिक समय होता है।

☯

DECLARATION FORM

The Editor,

Bank Quest,
Indian Institute of Banking & Finance, Kohinoor City, Commercial II,
Tower I, 2nd Floor, Kirol Road, Kurla (W), Mumbai - 400 070.

Dear Sir / Madam,

Re : Publication of my article

I have submitted an "____" for publication at your quarterly journal Bank Quest.

In this connection this is to declare and undertake that the said article is my original work and that I am the author of the same. No part of the said article either infringes or violates any existing copyright or any rules there under.

Further, I hereby agree and undertake without any demur; to indemnify and keep the Institute (IIBF) indemnified against all actions, suits, proceedings, claims, demands, damages, legal fees and costs incurred by the Institute arising out of infringement of any copyright /IPR violation.

Yours faithfully,

(____)

Author ____

Name : ____

Designation : ____

Organisation : ____

Address : ____

Tel. No. : ____

E-mail ID : ____

Signature : ____

Date : ____